हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

अपने आप की तुलना किसी से मत करो, यदि आप ऐसा कर रहे है तो आप स्वयं अपनी बेइज़्ज़ती कर रहे है। – बिल गेट्स

गुरुवार 21 मई 2026 बर्ष 02 अंक 134 पृष्ठ 5 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

नालंदा विवि में कौटिल्य ग्लोबल सेंटर फॉर स्टेट कैपेसिटी की शुरूआत

एशियाई बौद्धिक परंपरा एवं वैश्विक दक्षिण के अनुभवों पर आधारित सुशासन और राज्य क्षमता का वैश्विक मंच – डॉ. पीके मिश्रा

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय ने औपचारिक रूप से कौटिल्य ग्लोबल सेंटर फॉर स्टेट कैपेसिटी की शुरूआत कर दी। यह केंद्र वैश्विक दक्षिण(ग्लोबल साउथ) के देशों में शासन, सार्वजनिक नीति तथा राज्य क्षमता से जुड़े अनुसंधान, संवाद और व्यवहारिक अध्ययन को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, नीति–निर्माताओं, विद्वानों और प्रशासनिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा थे। इस अवसर पर बिहार के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) तथा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट) रुद्रेंद्र टंडन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि एशियाई बौद्धिक विरासत और वैश्विक दक्षिण के शासन अनुभवों से प्रेरणा लेते हुए यह सेंटर शासन संबंधी चिंतन की साझा वैश्विक क्षमता विकसित करने का प्रयास करे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, जेएम ट्रिनिटी तथा मिशन कर्मयोगी जैसी पहलें भारत में एक सक्षम राज्य व्यवस्था के निर्माण के जीवंत प्रयोग हैं। यह सेंटर इन अनुभवों को विश्व समुदाय के लिए उपयोगी ज्ञान में परिवर्तित करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि ग्लोबल साउथ के अधिकांश देशों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती नीतियों की कमी नहीं, बल्कि सार्वजनिक संस्थानों की वह सीमित क्षमता है, जिसके कारण नीतियों को निरंतर और व्यापक स्तर पर प्रभावी परिणामों में परिवर्तित नहीं किया जा पाता। अंततः शासन एक नैतिक उपक्रम है और राज्य क्षमता नागरिकों की सेवा के लिए होती है। भारत की बौद्धिक परंपरा ने इस संबंध पर गंभीरता से विचार किया है और अब भारत इसे नए आत्मविश्वास और संस्थागत प्रतिबद्धता के साथ विश्व के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट ने भारत और विश्व के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों तथा नीति केंद्रों के बीच अधिक सशक्त सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञान–नेटवर्क भविष्य की शासन प्रणालियों को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम में विश्व बैंक, गेट्स फाउंडेशन तथा कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन सहित अनेक प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रही। विश्व बैंक के हेमांग जानी ने केंद्र की व्यापक संभावनाओं और उसके वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला। नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने सहभागी संस्थानों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए केंद्र की बौद्धिक दृष्टि प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईस्ट एशिया समिट) की प्रक्रिया के माध्यम से नालंदा विश्वविद्यालय का आधुनिक पुनरुत्थान इस सेंटर को एक जीवंत संस्थागत आधार प्रदान करता है।

नालंदा एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय है जिसके पास भारत, एशिया और व्यापक वैश्विक दक्षिण को शासन और राज्य क्षमता जैसे साझा विषयों पर एक साथ जोड़ने की बौद्धिक शक्ति, परिसर और संवाद क्षमता उपलब्ध है। यह सेंटर विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली तथा गेट्स फाउंडेशन जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ साझेदारी में कार्य करेगा। भारत में यह मुख्य रूप से कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन तथा शासन और संस्थागत सुधार से जुड़े अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर कार्य करेगा। इन संस्थागत सहयोगों के अतिरिक्त केंद्र दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया के प्राथमिकता वाले देशों श्रीलंका, भूटान, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम आदि के साथ अनुसंधान, तकनीकी आदान–प्रदान तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगा।

नालंदा में पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति सामान्य, जमाखोरी पर होगी कड़ी कार्रवाई – डीएम

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिले में रसोई गैस की कमी एवं पेट्रोल पंप बंद होने की सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए कुंदन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी तेल विपणन कंपनियों के सेल्स ऑफिसर एवं जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान नोडल सेल्स ऑफिसर ने बताया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा सभी पंप पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं। तीनों तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि जिले में ईंधन की आपूर्ति लगातार जारी है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिलाधिकारी ने सभी तेल कंपनियों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मांग की स्थिति से अपने वरीय अधिकारियों को लगातार अवगत कराते रहें तथा पेट्रोल पंपों पर 5 से 10 प्रतिशत अतिरिक्त स्टॉक बनाए रखने की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि वितरण में किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल समन्वय स्थापित कर उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि विधि–व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में एलपीजी की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। नोडल पदाधिकारी एलपीजी ने बताया कि जिले में 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 8214 घरेलू गैस सिलिंडर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि राजगीर मलमास मेला 2026 शुरू होने के कारण होटलों एवं सामुदायिक रसोईयों में वाणिज्यिक गैस सिलिंडरों की मांग बढ़ेगी। इसे देखते हुए सभी कंपनियों को पर्याप्त मात्रा में कॉमर्शियल सिलिंडर स्टॉक में रखने का निर्देश दिया गया है।बैठक में पीएनजी पाइपलाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि बिहारशरीफ, राजगीर एवं सिलाव के कई वार्डों में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि अन्य क्षेत्रों में कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछ चुकी है, वहां उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। प्रशासन का उद्देश्य एलपीजी सिलिंडर पर निर्भरता कम करना और सुरक्षित एवं निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि अब तक जिले में 1969 लोगों को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। साथ ही आवासीय विद्यालय, छात्रावास, सामुदायिक रसोई, आंगनवाड़ी केंद्र आदि को प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। एलपीजी सिलिंडर से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी संचालित किया जा रहा है। उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 06112–233168 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने आम लोगों से अपील की कि यदि कहीं पेट्रोल–डीजल या एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी अथवा घरेलू गैस सिलिंडर का व्यावसायिक उपयोग हो रहा हो, तो इसकी सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने की रणनीति पर भाजपा की बैठक आयोजित

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। भारतीय जनता पार्टी, बिहारशरीफ नगर उत्तरी के अंतर्गत शक्ति केन्द्र संख्या–1 की बैठक मंगलवार को सोहडीह स्थित शक्ति केन्द्र प्रमुख सुनील कुमार के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सुनील कुमार ने की। इस शक्ति केन्द्र के अंतर्गत वार्ड संख्या 1 एवं 2 के सोहडीह, बबुरबन्ना एवं सहोखर मो. हल्ला आते हैं। बैठक में सभी बूथ अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बूथ अध्यक्षों के नेतृत्व में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों के साथ नियमित रूप से बैठकर "सुनना एवं देखना" कार्यक्रम आयोजित करने तथा प्रत्येक बूथ को और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला मंत्री सह मंडल प्रभारी अमरेश कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता देवतुल्य है, जो राष्ट्रहित और समाज सेवा के कार्यों में हमेशा तत्पर रहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को बूथ स्तर पर सामूहिक रूप से सुनने एवं देखने का आग्रह किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का

लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। वहीं नगर अध्यक्ष संदीप कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार का लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। बैठक में शक्ति केन्द्र प्रमुख सुनील कुमार, बूथ अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, राजदीप कुमार, वीरेंद्र चौधरी, शशिकांत सिन्हा, कमल प्रभाकर, अमित कुमार, रीतेश कुमार वर्मा, रविरंजन वर्मा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजगीर मलमास मेला 2026 को लेकर प्रशासन अलर्ट शाही स्नान की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। राजकीय मलमास मेला 2026 के अवसर पर शाही स्नान एवं सर्वार्थ सिद्धि स्नान की तैयारियों को लेकर कुंदन कुमार की अध्यक्षता में आरआईसीसी, राजगीर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला. धिकारी ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, विधि–व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं मू. लभूत सुविधाओं की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शाही स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। राजकीय मलमास मेला 17 मई से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। यह धार्मिक मेला "अधिक मास" में आयोजित होता है और हिंदू धर्म में इसका विशेष महत्व है। मेले में बिहार सहित देश के विभिन्न राज्यों और नेपाल, श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों से लाखों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के पहुंचने की संभावना है। प्रशासन के अनुसार 21 मई, 27 मई, 31 मई, 5 जून, 11 जून और 15 जून को शाही स्नान एवं सर्वार्थ सिद्धि स्नान के अवसर पर अत्यधिक भीड़ उमड़ने की संभावना है। खासकर 27 मई (एकादशी), 31 मई (पूर्णिमा) और 11 जून (एकादशी) को प्रमुख शाही स्नान होगा। इन दिनों करीब 2 से 2.5 लाख श्रद्धालुओं के कुंडों में स्नान करने का अनुमान है। मेला क्षेत्र में सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण के लिए करीब 950 दंडाधिक. ारी, 530 पुलिस पदाधिकारी, घुड़सवार पुलिस बल एवं 100 होमगार्ड की प्रतिनियुक्ति की गई है। 38 टीओपी, 16 वॉच टावर तथा 550 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए 14 आवासन स्थलों की व्यवस्था की गई है, जिनमें जर्मन हैंगर एवं वाटरप्रूफ पंडाल शामिल हैं। स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में वी. आईपी टेंट सिटी सहित लगभग 6000 ला. `गों के ठहरने की क्षमता विकसित की गई है। आवासन स्थलों पर पेयजल, शौचालय, पंखा, कूलर, रोशनी एवं सीसीटीवी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पेयजल व्यवस्था के तहत पीएचईडी द्वारा 30 स्थानों पर 300 प्याऊ लगाए गए हैं। इसके अलावा 20 नए चापाकल लगाए गए तथा 60 खराब चापाकलों की मरम्मत कराई गई

है। लगभग तीन लाख श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। स्वच्छता एवं शौचालय व्यवस्था के लिए 1000 से अधिक शौचालय एवं यूरिनल बनाए गए हैं। वहीं 14 स्थानों पर 25 "दीदी की रसोई" संचालित की जा रही है, जहां श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 8 अस्थायी अस्पताल, 18 स्वास्थ्य शिविर, 16 एम्बुलेंस एवं 4 चलंत चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति की गई है। ब्रह्मकुंड सहित प्रमुख स्थलों पर विशेष चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं। आपदा प्रबंधन को लेकर भी विशेष तैयारी की गई है। ब्रह्मकुंड से बाहर तक रेड कॉरिडोर बनाया गया है ताकि आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस एवं राहत दलों का आवागमन सुचारू रहे। एसडीआरएफ की टीम एवं 180 आपदा मित्रों की तैनाती की गई है।

भीड़ नियंत्रण के लिए ब्रह्मकुंड परिसर में लोहे का जिग–जैग बैरिकेडिंग सिस्टम बनाया गया है। श्रद्धालुओं के मनोरंजन एवं जागरूकता के लिए बड़े टीवी स्क्रीन पर धार्मिक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है। गर्मी से राहत देने के लिए मिस्ट कूलर, मिस्ट फैन एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाए गए हैं। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पटना, बख्तियारपुर, गया, जहानाबाद एवं नवादा से रिंग बस सेवा शुरू की गई है। 12 पार्किंग स्थल एवं 20 ट्रैफिक चेक पोस्ट बनाए गए हैं। ई–रिक्शा एवं टोटो के लिए अलग रूट एवं किराया तय किया गया है। मेला क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए खुले तारों को कवर वायर से बदला गया है तथा विद्युत पोलों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। मेला के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा विकास योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है, जहां श्रद्धालुओं को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। बैठक में नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

तेलमर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक लड़की

के साथ एक युवक ने किया दुष्कर्म, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत के तेलमर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म के बाद नाबालिक लड़की के परिजन के द्वारा थाना में आरोपी के विरुद्ध आवेदन देकर पुलिस से इंसाफ की गुहार लगाई थी। पीड़ित के परिजन के द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर थाना में आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर नाबा. लिक लड़की को मेडिकल जांच करने के लिए सदर अस्पताल बिहार शरीफ भेजा। घटना के संबंध में सदर डीएसपी 2 संजय कुमार जायसवाल ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि तेलमर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म होने के बाद बच्ची के मां के द्वारा थाना में आवेदन देने के बाद बच्ची की ब्यान दर्ज कराई गई। उसके बाद तकनीकी एवं मानवीय अनुसंधान के आधार पर छापेमारी करते हुए थाना क्षेत्र के पाकड़ गांव के बोतलिया बिंद उर्फ सुधीर बिंद के पुत्र रोशन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वहीं थाना अध्यक्ष चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की अपराधिक इतिहास को भी खंघाला जा रहा है। हालांकि ग्रामीणों में चर्चा है कि 14 वर्षीय नाबालिक युवती फोन के माध्यम से गिरफ्तार युवक से बातचीत करता था। वही कुछ लोग प्रेम प्रसंग का मामला बता रहे हैं। वही वह गिरफ्तार करने के दौरान कल्याण बीघा थाना अध्यक्ष निशा भारती, तेलमर थाना के दरोगा धीरज कुमार एवं अन्य पुलिस मौजूद थे।

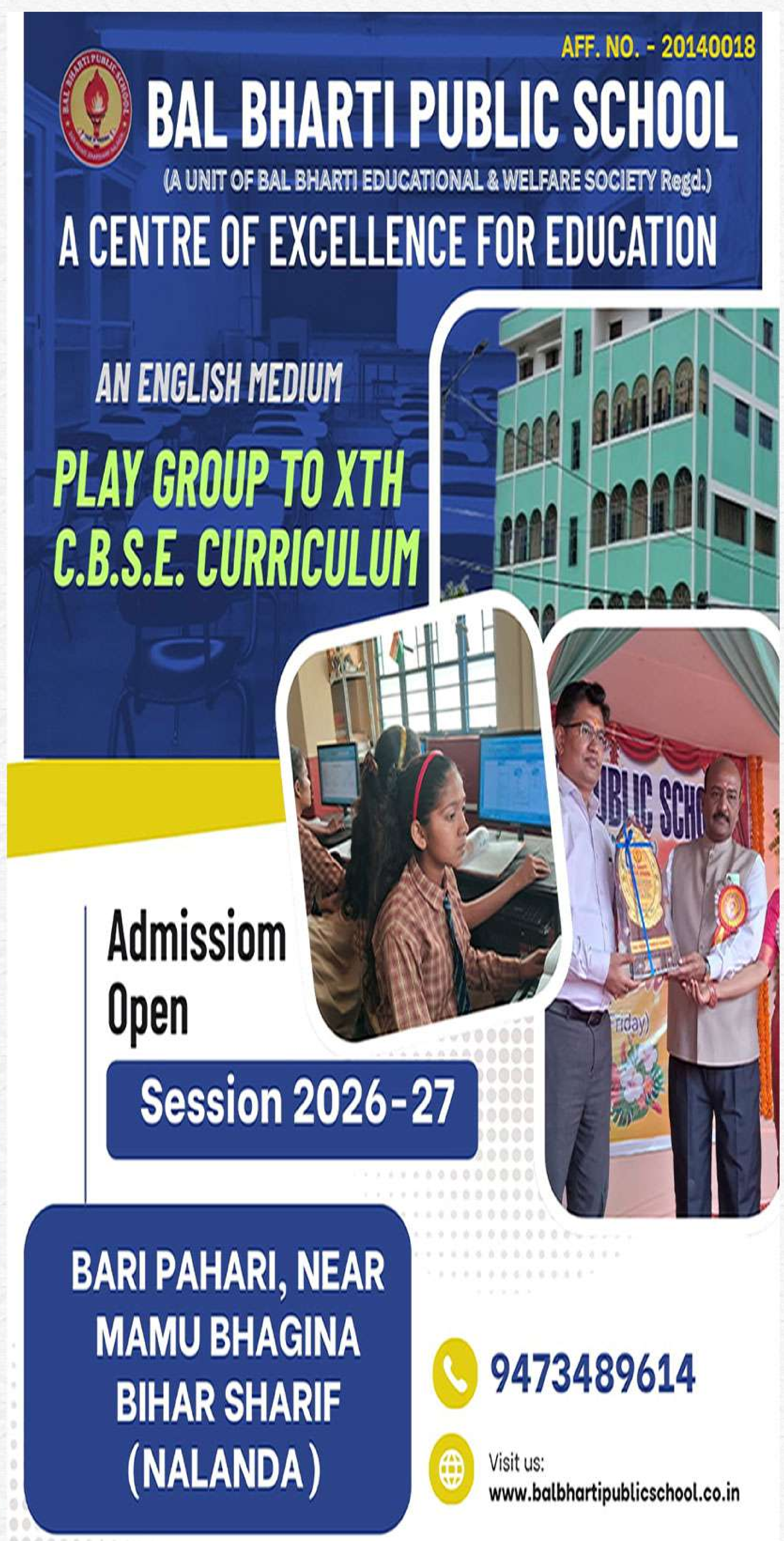

मलमास मेला के दौरान बैतरणी नदी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, गाय की पूंछ पकड़कर किया प्रतीकात्मक पार

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। राजकीय मलमास मेला के दूसरे दिन मंगलवार को राजगीर स्थित पवित्र बैतरणी नदी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई तथा धार्मिक मान्यता के अनुसार गाय की पूंछ पकड़कर बैतरणी नदी पार करने की परंपरा निभाई। श्रद्धालुओं का मानना है कि ऐसा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। मेला क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी का असर भी देखने को मिल रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बच्चे, बुजुर्ग एवं अन्य श्रद्धालु दिन के समय बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है तथा बड़ी संख्या में लोग धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हो रहे हैं। दूसरे दिन एएसपी संकेत कुमार ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार मलमास मेले के दौरान 33 कोटि देवी–देवता राजगीर में विराजमान रहते हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि यहां स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। वहीं, यह भी मान्यता है कि बैतरणी नदी में गाय की पूंछ पकड़कर पार करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के साथ लोग पूरे श्रद्धा भाव से मलमास मेले में शामिल होकर धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। वहीं, प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार कई विशेष इंतजाम किए गए हैं। बैतरणी नदी के समीप बनाए गए आश्रय स्थल पर पहली बार लॉकर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। श्रद्धालु अपने कीमती सामान, कपड़े, बैग एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं को सुरक्षित रूप से लॉकर में रखकर निश्चिंत होकर स्नान एवं पूजा–पाठ कर रहे हैं। इसके अलावा आश्रय स्थल पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सहायता एवं विश्राम की भी समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिल रही है।

नालंदा में मिड–डे मील खाने से 36 से अधिक बच्चे बीमार, स्कूल में मचा हड़कंप

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट नगरनौसा(नालंदा)। नालंदा जिले के नगरनौसा प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय कला कैला में बुधवार को मिड–डे मील खाने के बाद 36 से अधिक बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों को उल्टी, दस्त, चक्कर आने और बेहोशी की शिकायत होने लगी, जिसके बाद विद्यालय में अफरा–तफरी मच गई। सभी बीमार बच्चों को आनन–फानन में नगरनौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें चंडी रेफरल अस्पताल भेजा गया है। छात्रा अमृता कुमारी ने बताया कि बच्चों को मिड–डे मील में चावल और छोला (चना) की सब्जी परोसी गई थी। उसने आरोप लगाया कि भोजन में दवा जैसी एक गोली भी मिली थी। खाना खाने के थोड़ी देर बाद ही बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। छात्राओं ने बताया कि रोज की तरह इस बार बच्चों से पहले शिक्षकों द्वारा भोजन की जांच नहीं की गई थी। हालांकि बाद में अमरेश सर नामक शिक्षक ने भोजन खाया, जिसके बाद उन्हें भी चक्कर आने लगा और उन्हें भी इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद मिड–डे मील उपलब्ध कराने वाली संस्था एकता फाउंडेशन की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

ग्रामीणों और अभिभावकों ने संस्था पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि भोजन की गुणवत्ता की सही तरीके से जांच नहीं की गई, जिसके कारण बच्चों की जान जोखिम में पड़ गई। बीमार बच्चों में अमृता कुमारी, अंकुश कुमार, अनुराधा कुमारी, तमन्ना, निशु मुस्कान, कृति, ऋषि, आरती, सिमरन, खुशी, आदित्य, प्रियांशु, प्रिय, दीपक, प्रीति, डोली, सौरभ, किरण और राधा कुमारी सहित तीन दर्जन से अधिक बच्चे शामिल हैं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रजनी कुमारी ने बताया कि बच्चों को छोला और चावल परोसा गया था। जैसे ही बच्चों ने भोजन करना शुरू किया, कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। स्थिति गंभीर होते देख तत्काल सभी बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि घटना की लिखित सूचना विभाग के वरीय पदाधिकारियों को भेज दी गई है।

हरनौत के चंडी मोड़ पर स्थायी प्याऊ केंद्र का लोकार्पण

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हरनौत नगर पंचायत द्वारा स्थानीय बाजार के चंडी मोड़ पर बुधवार को स्थाई प्याऊ केंद्र का शुभारंभ किया गया।लोकार्पण नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सौरभ सुमन द्वारा पूजा अर्चना के साथ किया गया। लोकार्पण के दौरान मुख पार्षद प्रतिनिधि धीरज कुमार और पल्लू सिंह , उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंह सहित अन्य शामिल हो कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।वहीं उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंह ने बताया कि तकरीबन 10 लख रुपए के लागत से स्थायी नॉर्मल एंड कुल प्योरीफाई वाटर सिस्टम स्थापित किया गया है। बताया कि नगर पंचायत के चंडी मोड़ रोड़ प्रखंड मुख्यालय, लोयोला स्कूल, बस्ती सहित अन्य प्रमुख चौक–चौराहों पर नॉर्मल एंड कुल वाटर सिस्टम लगाया जा रहा है।जिसमें प्रखंड मुख्यालय, लोयोला स्कूल, चड़ी मोड़ पर यह सिस्टम राहगीरों और स्थानीय निवासियों को हर मौसम में शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य शुरू किया गया है। इस सिस्टम की कार्यप्रणाली के अनुसार, स्वयं के मोटर के जरिए पानी को एक हजार लीटर की टंकी में भरा जाएगा। इसके बाद प्योरीफिकेशन सिस्टम से शुद्ध पानी नॉर्मल एंड कुल सिस्टम तक पहुंचेगा, जहां से ठंडा और गर्म पानी उपलब्ध होगा। इसके में 500 लीटर का टैंक भी है।यह व्यवस्था पूरे साल मौसम के अनुसार पानी की जरूरतों को पूरा करेगी।इस दौरान स्थानीय निवासियों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यह योजना नगर पंचायत को एक आदर्श मॉडल बनाएगी। गर्मियों में ठंडा पानी की उपलब्धता से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। स्थायी प्याऊ सिस्टम राहगीरों और नागरिकों के लिए एक बड़ी सुविधा साबित होगी।मौके पर वार्ड पार्षद अनिल कुमार, वार्ड पार्षद से श्याम बालक साव , हेड क्लर्क दिनेश कुमार,राजू समेत अन्य मौजूद थे।

आर जी एल उच्च विद्यालय छबीलापुर में चेतना सत्र आयोजित सुमित्रानंदन पंत की जयंती पर दी गई विशेष जानकारी

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। आर जी एल उच्च विद्यालय, छबीलापुर में मंगलवार को आयोजित चेतना सत्र के दौरान मेंटोर शिक्षक अजय कुमार ने बच्चों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। विशेष रूप से हिंदी साहित्य के छायावाद युग के प्रमुख स्तंभ एवं प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत की जयंती पर उनके साहित्यिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। अजय कुमार ने बताया कि "छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है। उन्होंने कहा कि सुमित्रानंदन पंत ने अपनी रचनाओं में प्रकृति के सौंदर्य को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। उनकी कविताओं में ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति स्वयं बोल रही हो। इस अवसर पर उन्होंने पंत की प्रसिद्ध पंक्तियां सुनाईं– छोड़ द्रुमों की मृदुल छाया, तोड़ प्रकृति से भी माया, बाले तेरे बाल–जाल में कैसे उलझा दूं लोचन। चेतना सत्र में अजय कुमार ने बच्चों को इतिहास से जुड़ी जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि 20 मई 1498 को पुर्तगाली नाविक वास्को द गामा कालीकट के तट पर पहुंचा था। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की खोज के लिए निकले अभियान में उसके साथ 199 नाविक थे, लेकिन वापसी के समय मात्र 55 नाविक ही जीवित बचे थे। इसके अलावा बच्चों को 20 मई को मनाए जाने वाले विश्व मधुमक्खी दिवस के महत्व की भी जानकारी दी गई। संगीत शिक्षिका सोनल साक्षी ने सुबह सबेरे लेकर तेरा नाम प्रभु प्रार्थना गीत से चेतना सत्र की शुरुआत कराई। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् और राष्ट्रगान के साथ खुशनुमा माहौल में हुआ। विद्यालय के कई छात्र राजगीर मलमास मेले में स्काउट गाइड शिक्षक अशोक कुमार के साथ सेवा कार्य में गए हुए हैं, जिसके कारण चेतना सत्र में छात्रों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही। इसके बावजूद विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों एवं कर्मियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक ओंकार देव आर्य, कुंज बिहारी, मेंटोर शिक्षक अजय कुमार राणा, अजय, राकेश कुमार, हिंदी शिक्षक अजय कुमार, शंकर कुमार, लाइब्रेरियन मोहम्मद आफताब आलम, रौशन कुमार सिंह, कल्पना रेखा, सीमा कुमारी, सोनल साक्षी, राखी कुमारी, लिपिक धीरज कुमार, शिशुपाल पांडे, सुशील सिंह सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

वहीं छात्र–छात्राओं में प्रिया भारती, नंदिनी कुमारी, अंशु कुमारी, धीरज कुमार, जयशीष कुमार, रौशन कुमार, स्वाति कुमारी, खुशी कुमारी, निशा कुमारी, नूतन कुमारी, सुजीत कुमार, सुरजीत कुमार, संजीत कुमार, सुगनी कुमारी, सोमारी कुमारी, मानसी कुमारी, सलोनी कुमारी, मौसम कुमारी, सुरुचि कुमारी, दिवाकर कुमार, अंकित कुमार, पूनम कुमारी सहित अन्य छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मेंटोर शिक्षक अजय कुमार द्वारा सुमित्रानंदन पंत के साहित्यिक योगदान पर काव्य पाठ भी प्रस्तुत किया गया।

सूरत जाने निकला युवक संदिग्ध हालत में मिला मृत, परिजनों ने लगाया ड्रग्स ओवरडोज का आरोप

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिले के भागन बीघा थाना क्षेत्र अंतर्गत मोरा तालाब गांव में 19 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों ने उसके दोस्त पर लापरवाही बरतने और ड्रग्स का ओवरडोज देने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृत युवक की पहचान मोरा तालाब निवासी संजय पासवान के पुत्र जय भगवान के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार गांव का ही रहने वाला अभिजीत कुमार उर्फ बिट्टू उसे यह कहकर अपने साथ ले गया था कि दोनों सूरत कमाने जा रहे हैं। बताया जाता है कि बुधवार शाम जय भगवान ने फोन कर परिजनों को जानकारी दी थी कि वे लोग बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पर हैं। इसके कुछ देर बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। देर रात तक संपर्क नहीं होने पर परिवार वालों ने अभिजीत उर्फ बिट्टू से बात की, जिसने बताया कि ट्रेन छूट जाने के कारण वे लोग वापस लौट रहे हैं। काफी देर तक दोनों के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। गुरुवार सुबह मोरा तालाब होटल के समीप ओवरब्रिज के नीचे जय भगवान अचेत अवस्था में पड़ा मिला। परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार, छह महीने पहले ही जय भगवान ने बिंद थाना क्षेत्र के घड़ियारी गांव निवासी कृति कुमारी से प्रेम विवाह किया था। घटना के बाद पत्नी एवं परिवार के अन्य सदस्यों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने आरोप लगाया कि अभिजीत उर्फ बिट्टू पूरे मामले को छिपाने की कोशिश कर रहा था। उनका कहना है कि यदि समय पर सही जानकारी दी जाती, तो युवक की जान बचाई जा सकती थी। परिवार ने आशंका जताई है कि जय भगवान की मौत ड्रग्स के ओवरडोज के कारण हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। राजकुमार चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवक के ड्रग एडिक्ट होने की बात सामने आई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजगीर मलमास मेला में अश्लीलता और शराब सेवन पर बवाल, एक थिएटर बंद, दूसरे पर उठे सवाल

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। राजकीय मलमास मेला के दौरान थिएटरों में अश्लीलता और शराब सेवन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। अश्लीलता फैलाने के आरोप में प्रशासन द्वारा एक थिएटर को बंद कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि संबंधित थिएटर को बुधवार को अनुमति नहीं मिली, जिसके बाद संचालक लगातार परमिशन के लिए अधिकारियों के चक्कर काटते नजर आए। वहीं दूसरी ओर शोभा सम्राट थिएटर में खुलेआम शराब सेवन किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार लगातार दो दिनों से थिएटर परिसर के आसपास शराब की बोतलें मिलने की बात कही जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों और मेला में आए श्रद्धालुओं के बीच नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का आरोप है कि मामले की जानकारी होने के बावजूद पुलिस एवं उत्पाद विभाग की टीम कार्रवाई करने से बचती नजर आ रही है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मेला क्षेत्र में सख्त निगरानी और नियमित जांच अभियान चलाने की मांग की है, ताकि धार्मिक मेले की गरिमा बनी रहे। मेला में पहुंचे श्रद्धालुओं का कहना है कि धार्मिक आयोजन के दौरान इस तरह की गतिविधियां माहौल खराब कर रही हैं। लोगों ने प्रशासन से थिएटरों की गतिविधियों की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

राजगीर (कोड संख्या - (06112)	दूरभाष/मोबाईल नं०
आपात नं० (ERSS)	112
ऐम्बुलेंस सेवा राजगीर	102
फायर ब्रिगेड राजगीर	101,9431429486
मुख्य नियंत्रण कक्ष (मेला थाना) :	06112-255066
स्वच्छता एवं साफ सफाई संबंधी शिकायत	06112-255061
पीने का पानी एवं अन्य जल शिकायत	06112-255062
आवास एवं यात्री शेड संबंधित शिकायत	06112-25063
धार्मिक स्थल से संबंधित शिकायत	06112-255064
अन्य शिकायत	06112-255065
रेलवे पूछताछ, राजगीर	139,06112-222306
रेलवे स्टेशन प्रबंधक, राजगीर	7766917743
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, अनुमंडल	9470003525
अस्पताल, राजगीर	9470003131
अधीक्षक, विम्स मेडिकल, कॉलेज पावापुरी	9431822176
थाना प्रभारी ब्रह्मकुण्ड	9110056807
थाना प्रभारी मेला थाना	7002401675
कार्यपालक पदाधिकारी, राजगीर	9031668690
अंचल अधिकारी, राजगीर	9031671858
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, राजगीर	9031071684
पुलिस उपाधीक्षक, यातायात, नालन्दा	9097812363
पुलिस उपाधीक्षक, विधि व्यवस्था, नालन्दा	9431822168
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजगीर	7061897351
अनुमंडल पदाधिकारी, राजगीर	9473191217
सिविल सर्जन, नालन्दा	9470003507
जिला परिवहन पदाधिकारी, नालन्दा	6202751139
अपर समाहर्ता, नालन्दा	9473191215
उप विकास आयुक्त, नालन्दा	9031071664

कार्य पूरा किया बिना ही लगा दिया गया उद्घाटन का बोर्ड, नाराजगी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। शहर के पंचवटी नगर वार्ड नम्बर 20 में नगर परिषद राजगीर द्वारा बिना पूरी पीसीसी ढलाई किये हुए ही उद्घाटन का बोर्ड लगा दिया गया है। यह कार्य मृत्युंजय पाण्डेय के घर से विपीन झा के घर होते हुए आरती निवास तक किया जाना था। इसमें विपीन झा के घर के आगे पीसीसी ढलाई नहीं की गयी। कुछ दूर तो मिट्टी भी नहीं भरा गया और कुछ दूरी में महज ईंट रखकर छोड़ दिया गया है। कार्य कराने वालों ने पइन को भरकर किसानों के पटवन के साधन को भी नष्ट करने का काम किया है। कार्य अधूरा किया गया है। इसके बाद भी उद्घाटन का बोर्ड लगाकर योजना की राशि का बंदरबाट किया जाने की आशंका मोहल्लेवासियों को सताने लगी है। लोगों को उम्मीद था कि अब यह रास्ता बन जायेगा और इससे पंचवटी होते हुए स्टेशन तक लोग आसानी से जा सकेंगे। ऐसा न हो सका। लोगों ने बताया कि इससे पहले भी इसी संवेदक द्वारा मृत्युंजय पाण्डेय के घर से लेकर स्टेशन तक पीसीसी ढलाई कार्य किया गया था। वह महज एक माह में ही उखड़ गया था। अबकी बार तो कार्य किये हुए बिना ही योजना को पूरा कर दिया गया। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद के कार्यपालक पदा. धिकारी को इस पर संज्ञान लेने की जरूरत है। वहीं जिला प्रशासन भी इस तरह के कार्य करने वाले लोगों पर कार्रवाई करे ताकि लोगों का विश्वास बना रहे।

रेलवे यात्रियों को नहीं हो परेशानी – प्रभा कुमारी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मलमास मेला में ट्रेन से आ रहे यात्रियों के लिए रेलवे स्टेशन के पास जीआरपी पुलिस द्वारा सुरक्षा की गयी है। यात्रियों के लिए ट्रेन से यात्रा करना काफी मददगार साबित हो रही है। सुबह हो या शाम या रात्रि ट्रेन से आने का सिलसिला लगातार जारी है। ट्रेन से बढ़ती भीड़ को देखते हुए यात्रियों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए पुलिस केंद्र पटना सार्जेंट मेजर प्रभा कुमारी ने जीआरपी पुलिस के जवानों को ब्रीफिंग की। लोगों को ड्यूटी के प्रति निर्वहन करने के लिए निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेन से आने जाने वाली यात्रियों को पूरी नजर रखें ताकि किसी तरह की कोई परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि जो भी ड्यूटी में लगाए गए हैं वह पूरी ईमानदारी पूर्वक समय से ड्यूटी पर रहें। रात्रि में काफी संख्या में रेलवे स्टेशन पर लोग सोते हैं। इसके लिए 24 घंटे यात्रियों की सुरक्षा के लिए पुलिस के मॉनिटरिंग होती रहनी चाहिए। वही रेलवे स्टेशन परिसर पर मोबाइल चार्जिंग, पेयजल, साफ सफाई की पूरी व्यवस्था की गई है। रेलवे स्टेशन पर माईकिंग के माध्यम से यात्रियों को बतलाया भी जा रहा है। रेल थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन परिसर में सुरक्षा को लेकर एक सौ पुलिस फोर्स विभिन्न स्थानों पर लगाए गए हैं। ताकि चोर उच. क्कों पर पैनी नजर रखा जा सके।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नालंदा में असर, बंद रहीं दवा दुकानें, 50 लाख के कारोबार पर असर

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर बुधवार को नालंदा जिला औषधि विक्रेता संघ द्वारा जिलेभर में एक दिवसीय हड़ताल की गई। हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला और जिले की अधिकांश दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। इससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, इस बंदी के कारण जिले में करीब 50 लाख रुपये के दवा कारोबार के प्रभावित होने की संभावना है। संघ के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ने बताया कि देश में दवा का व्यापार ड्रग एक्ट के कड़े नियमों के तहत संचालित होता है। इसके अनुसार योग्य डी.फार्मा और बी.फार्मा डिग्रीधारी की उपस्थिति में ही दवाओं का रखरखाव और बिक्री सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान आपात स्थिति को देखते हुए सरकार ने ऑनलाइन दवा आपूर्ति की अनुमति देने वाले दो नोटिफिकेशन जारी किए थे। लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी उन नोटिफिकेशनों को वापस नहीं लिया गया, जिसके विरोध में देशभर के दवा विक्रेता आंदोलन कर रहे हैं। अमरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन दवा कारोबार पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके माध्यम से बाजार में नकली दवाओं की बिक्री बढ़ गई है। बिना वैध डॉक्टर के पर्चे या फर्जी प्रिस्क्रिप्शन के आधार पर दवाएं भेजी जा रही हैं, जिससे मरीजों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ऑनलाइन माध्यम से नशीली दवाओं की आपूर्ति भी आसानी से की जा रही है।

उन्होंने कहा कि शेड्यूल H–1 श्रेणी की दवाएं, जिन्हें कड़े नियमों के तहत केवल पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे और रजिस्टर में प्रविष्टि के बाद ही बेचा जा सकता है, वे भी ऑनलाइन बिना किसी रोक–टोक के उपलब्ध कराई जा रही हैं। दवा विक्रेताओं ने भारी छूट पर बेची जा रही दवाओं की गुणवत्ता और प्रामाणिकता पर भी सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि ऐसी दवाओं का न तो पक्का बिल दिया जाता है और न ही यह सुनिश्चित होता है कि दवाएं असली हैं या नकली। संघ ने आम लोगों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए केवल अधिकृत और पक्का बिल देने वाली दवा दुकानों से ही दवाएं खरीदें। साथ ही सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री से संबंधित नोटिफिकेशन को तत्काल रद्द करने और ड्रग एक्ट के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की गई है।

नालंदा में एनजीओ द्वारा संचालित मिड डे मील व्यवस्था पर उठे सवाल, गुणवत्ता और निगरानी को लेकर बढ़ी चिंता

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। नालंदा जिले में एनजीओ के माध्यम से संचालित मिड डे मील व्यवस्था को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। भीषण गर्मी के बीच बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, पोषण स्तर एवं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों के बीच चिंता बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि जहां एक महिला शिक्षिका को सुबह 4 बजे उठकर अपने परिवार का नाश्ता तैयार करने में कठिनाई होती है, वहीं दूसरी ओर एनजीओ के केंद्रीय किचेन में सुबह 3 बजे से लगभग 20 हजार बच्चों का भोजन तैयार होना शुरू हो जाता है। ऐसे में भोजन की गुणवत्ता और ताजगी पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर विद्यालयों में बनने वाले भोजन की तुलना में एनजीओ द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे भोजन को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि विद्यालयों में भोजन स्थानीय रसोइयों द्वारा तैयार किया जाता था, जिनके अपने बच्चे भी उसी भोजन का सेवन करते थे। साथ ही अभिभावकों एवं शिक्षकों की सीधी निगरानी रहने से गुणवत्ता बनी रहती थी। इसके विपरीत एनजीओ व्यवस्था में दूर बैठे अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है। आरोप है कि कई बार विद्यालयों में बच्चों की वास्तविक संख्या से अधिक संख्या दिखाकर भुगतान लिया जाता है। ऐसे में भोजन की गुणवत्ता प्रभावित होना तय माना जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि छोला–चावल के नाम पर अधिकतर दिनों में केवल चना की सब्जी और चावल दिया जाता है, जबकि मौसमी फल के नाम पर सालों भर केवल केला ही उपलब्ध कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक केले के लिए एनजीओ को पांच रुपये का भुगतान किया जाता है। स्थिति यह हो गई है कि कई बच्चे अब अपने घर से टिफिन लेकर विद्यालय पहुंचने लगे हैं और एनजीओ द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन को पसंद नहीं कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि विद्यालयों में स्थानीय स्तर पर बनने वाले भोजन की खुशबू और गुणवत्ता साफ महसूस होती थी, जबकि केंद्रीकृत भोजन व्यवस्था में वह बात नहीं दिख रही। भोजन ढुलाई व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों के अनुसार भोजन पहुंचाने वाले वाहन पूरी तरह बंद एवं सुरक्षित होने चाहिए, लेकिन कई बार भोजन रखने वाले कंटेनर ठीक से पैक नहीं होते, जिससे स्वच्छता प्रभावित होती है। लोगों ने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से इस पूरी व्यवस्था की गंभीरता से समीक्षा करने की मांग की है। उनका कहना है कि एनजीओ व्यवस्था लागू होने के बाद कई आवश्यक मानकों का पालन नहीं हो रहा है, जिससे भविष्य में किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। हालांकि लोगों को उम्मीद है कि जिला शिक्षा प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेगा और भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। वहीं मिड डे मील विभाग के अधिकारियों को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि वे इस मामले में पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

बढ़ती गर्मी और तेज धूप को लेकर प्रशासन की अपील, लू से बचाव के लिए बरतें सावधानी

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। नालंदा जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और तेज धूप को देखते हुए लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं प्रशासन ने कहा है कि लू से बचाव के लिए सावधानी ही सबसे बड़ा सुरक्षा उपाय है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे हल्के एवं सूती कपड़े पहनें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें तथा अत्यधिक जरूरत नहीं होने पर तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। खासकर दोपहर के समय धूप में निकलने से परहेज करने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखने को कहा है, क्योंकि तेज गर्मी और लू का असर इन पर अधिक पड़ता है। लोगों से घर से बाहर निकलते समय सिर को ढकने, छाता या गमछे का उपयोग करने तथा शरीर में पानी की कमी नहीं होने देने की अपील की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना, कमजोरी, तेज बुखार, उल्टी या बेहोशी जैसी समस्या महसूस हो तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने की अपील की है।